बिहार में विश्वविद्यालयों के अध्यापक वर्ग और गैर-अध्यापक वर्ग के कर्मचारियों द्वारा आन्दोलन

812. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार में पटना विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों के अध्यापक वर्ग और गैर-अध्यापक वर्ग के कर्मचारी अपनी मांगों के संबंध में आन्दोलन कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो उनकी मांगों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उनके बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

शिक्षा तथा स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) : केन्द्रीय सरकार को पटना विश्वविद्यालय और बिहार के अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षण तथा गैर-शिक्षक स्टाफ का मांगों वाला कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुआ है । क्योंकि इस राज्य के सभी विश्वविद्यालय राज्य विधान मंडल द्वारा बनाए गए कानूनों के अन्तर्गत कार्य कर रहे हैं । इस कथित आन्दोलन स्टाफ द्वारा रखी गई मांगों तथा उन पर की गई कार्रवाही के ब्यौरे के संबंध में बिहार सरकार से जानकारी प्राप्त की जा रही है और इसे यथासमय सभा पटल पर रख दिया जाएगा ।

डाक तार कर्मचारियों को बोनस

813. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने डाक तार विभाग के कर्मचारियों को बोनस देने का निर्णय लिया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके भुगतान के लिए क्या फार्मूला अपनाया गया है; और

(ग) बोनस का भुगतान करने में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

संचार मंत्री (श्री सी० एम० स्टीफन०) (क), (ख) तथा (ग) : सरकार ने डाक-तार विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़ा हुआ बोनस देने का निश्चय किया है , कर्मचारियों के कार्य निष्पादन के संबंध में सर्वोत्तम वर्ष अर्थात् 1976–77 के दौरान कर्मचारियों द्वारा किये गये उत्पादन को आधार मानकर एक फार्मूला बना लिया गया है ।

सूचकांक 100 पर 25 दिन का वेतन देय होगा तथा वह प्रत्येक वर्ष के दौरान वास्तविक कार्य निष्पादन के स्तर से ऊंचा या नीचा होने के साथ-साथ घटाया या बढ़ाया जायेगा । 1979–80 के दौरान 15 दिन का वेतन स्टाफ द्वारा उत्पादकता से जुड़े बोनस का सिद्धांत मान लेने के लिए सद्भावना के तौर पर दिया जाएगा ।

पटना, बिहार में खाना पकाने की गैस की कमी

814. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार की राजधानी पटना में खाना पकाने की गैस की भारी कमी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि गैस-व्यापारी गैस के वितरण में खुले रूप से काला-बाजारी और पक्षपात कर रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो गैस की कमी को दूर करने तथा एजेंटों (वितरण-कर्त्ताओं) द्वारा गैस की काला-बाजारी को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री वीरेन्द्र पाटिल) : (क) जी, हां ।

(ख) इंडियन आयल कारपोरेशन जो बिहार की राजधानी पटना में खाना पकाने की गैस का विपणन कर रहे हैं ने बताया कि जहां तक उन्हें जानकारी है, इण्डेन वितरक द्वारा भरे हुए सिलेण्डरों की सप्लाई पहले आने वाले को पहले, के आधार पर करते हैं ।

(ग) पटना और बिहार की अन्य बाजारों में गैस की सप्लाई मूलतः बरौनी शोधनशाला से की जाती है जो असम में आन्दोलन के कारण गत दो मासों से काम नहीं कर रही है और इसके फलस्वरूप, इस स्रोत से तरल पैट्रोलियम गैस की कोई उपलब्धता नहीं है । जहां तक संभव है, वर्तमान कमी को पूरा करने के लिए हल्दिया और बम्बई से बची हुई सप्लाई भेजी जा रही है । परन्तु सप्लाई के लिए वैकल्पिक प्रबन्ध करने के बावजूद , दुबारा भरे सिलेण्डरों की सप्लाई बरौनी शोधनशाला द्वारा उत्पादन शुरू किये जाने के केवल पश्चात ही सामान्य हो सकेगी । जब कभी भ्रष्टाचार संबंधी कम्पनी की कोई शिकायत प्राप्त होती है, उसकी जाच की जाती है और उपचारी कार्रवाई की जाती है ।